

सेवाक,

एन0एस0नपलब्याल,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,  
हरिद्वार।

राजस्व विभाग

देहरादून: दिनांक: 11 अक्टूबर, 2007

विषय:— मै0 रायन लैबोरेट्रीज प्रा0लि0 को फार्मास्यूटिकल उद्योग की स्थापना हेतु जनपद हरिद्वार की तहसील रुड़की के ग्राम मतलबपुर में कुल 0.2750 है0 भूमि कय की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1421/भूमि व्यवस्था-भू0क0 दिनांक 17-12-2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मै0 रायन लैबोरेट्रीज प्रा0लि0 को फार्मास्यूटिकल उद्योग की स्थापना हेतु उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश जर्गीदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 दिनांक 15-1-2004 की धारा-154(4)(3)(V) के अन्तर्गत तहसील रुड़की के ग्राम मतलबपुर में श्री पूरणचन्द पुत्र कालूराम निवासी मतलबपुर की खसरा संख्या-390 रकबा 0.2750 है भूमि कय करने की अनुमति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ प्रदान करते हैं:—

1— क्रेता धारा-129-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलेक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि कय करने के लिये अर्ह होगा।

2— क्रेता बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि बन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।

3— क्रेता द्वारा कय की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूमि के विक्रय विलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में

.....(2)

अभिलेखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की गई है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे स्वीकृत किया गया था, उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनार्थ कय किया गया था उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

4- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी अनुसूचित जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि कय से पूर्व सम्बन्धित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।

5- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी असंक्रमणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।

6- शासन द्वारा दी गई भूमि कय की अनुमति शारानादेश निर्गत होने की तिथि से 180 दिन तक वैध रहेगी।

7- प्रस्तावित उद्योग का निर्माण कार्य राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (रीडा) - 2005 के अनुरूप निर्माण होगा।

8- कय की जाने वाली भूमि का भू-उपयोग नियमानुसार औद्योगिक में परिवर्तित कराकर शासन द्वारा निर्धारित नीति/मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अंतर्गत प्रचलित नियमों/मानकों एवं भवन उपविधियों के अन्तर्गत नियमानुसार कार्यवाही करते हुये औद्योगिक प्रयोजन हेतु भवन निर्माण का प्लान सक्षम अधिकारी से स्वीकृत कराने के पश्चात ही प्रस्तावित स्थल पर निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

9- प्रस्तावित उद्योग में उत्तराखण्ड मूल के बेरोजगारों को न्यूनतम 70 प्रतिशत से अधिक का रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा।

10- इकाई द्वारा कय की जाने वाली भूमि का उपयोग मात्र फार्मा प्रोडक्ट कंके कियाकलापों की स्थापना हेतु किया जायेगा।

11-- इकाई द्वारा प्रस्तावित उत्पाद फार्मा प्रोडक्ट (लिक्विड पेरेंट्रल्स, ड्राई पावडर पेरेंट्रल्स) है, जो भारत सरकार की अधिसूचना संख्या-1(10)/2001-एनईआर दिनांक 6 जनवरी, 2003 के अनुसार थ्रट सैक्टर के अन्तर्गत है। इकाई की स्थापना होने पर इकाई को भारत सरकार द्वारा घोषित पैकेज का लाभ अनुमन्य होगा।

12-- प्रश्नगत उद्योग की स्थापना के सम्बन्ध में स्पाट जोनिंग क्षेत्र के लिये निश्चित सिद्धान्त/नीतियों का पूर्णतः पालन किया जायेगा।

13-- इकाई में पूंजी निवेश से पूर्व ड्रग कण्ट्रोलर से ड्रग लाईसेन्स, प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड तथा अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा।

14-- उपरोक्त शर्तों/प्रतिबन्धों का उल्लंघन होने पर अथवा किसी अन्य कारणों से, जिसे शासन उचित समझता हो, प्रश्नगत स्वीकृति निरसित कर दी जायेगी।

कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(एन0एस0नपलच्याल)  
प्रमुख सचिव।

संख्या एवं तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-- मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2-- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, चौडी।
- 3-- सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 4-- पी0वैकटेश्वर राव, डायरेक्टर, गै0 रायन लैबोरेट्रीज प्रा0लि0 डी-3 174 राजा नगरमरोड, अनापटी ईस्ट गोदावरी, आन्ध्र प्रदेश।
- ✓ निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड, रायिवालय।
- 6-- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
(सन्तोष बडोनी)  
अनुसचिव।